MHNSC-4.2

Sl. No.

IV Semester M.A. Degree Examination, May/June - 2026

HINDI

(आदिवासी साहित्य)

Adivasi Sahitya

(CBCS SLM Scheme)

Course - II

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

Instructions to Candidates :

All Sections are compulsory.

SECTION - A

I. किन्हीं चार की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(4×5=20)**

1. क्या तुम जानते हो
क्या तुम जानते हो
एक स्त्री के समस्त रिश्ते का व्याकरण?
बता सकते हो तुम
एक स्त्री को स्त्री–दृष्टि से देखते
उसके स्त्रीत्व की परिभाषा?

2. अपनी कल्पना में हर रोज
एक ही समय में स्वयं को
हर बेचैन स्त्री तलाशती है
घर प्रेम और जाति से अलग
अपनी एक ऐसी जमीन
जो सिर्फ उसकी अपनी हो

3. कैसी विडंबना है कि
जमीन पर बैठ बुनती हो चटाईयाँ
और पंखा बनाते टपकता है
तुम्हारे करियाये देह से टप.....टप....पसीना

[P.T.O.

4. सोच–

तुम्हारे पसीने से पुष्ट हुए दाने एक दिन लौटते हैं
तुम्हारा मुँह चिढ़ाते तुम्हारी ही बस्ती की दुकानों पर
कैसा लगता है तुम्हें जब
तुम्हारी ही चीजें
तुम्हारी पहुँच से दूर होती दिखती हैं?

5. वे जब खेतों में

फसलों को रोपती–काटती हुई
गाती हैं गीत
भूल जाती है जिन्दगी के दर्द
ऐसा कहा गया है
किसने कहे हैं उनके परिचय में
इतने बडे–बडे झूठ?
किसने?

6. चिलचिलाती धूप में

ईटँ पाथते पत्थर तोडते मिट्टी काटते हुए भी
किसी बाज के चंगुल में चिडियों की तरह
फडफडाते हुए एक बार देखा था उसे

SECTION - B

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×10=30)**

7. आदिवासी साहित्य के उद्भव एवं विकास पर चर्चा कीजिए।

8. हिंदी के प्रमुख आदिवासी साहित्यकारों का परिचय दीजिए।

9. 'लौटने का वक्त चला गया' कहानी की नायिका का चरित्र पर प्रकाश डालिए।

10. 'बाँझ' कहानी में अभिव्यक्त नारी चेतना पर विचार कीजिए।

11. 'गोदाना' कहानी के आधार पर आदिवासी समस्या पर प्रकाश डालिए।

SECTION - C

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×15=30)**

12. आदिवासी समाज की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए, आदिवासी समाज का अस्तित्व और अस्मिता घोर विपत्ति में रहने का मूल कारण पर चर्चा कीजिए।

13. 'ग्लोबल गाँव के देवता' उपन्यास में चित्रित आदिवासी संस्कृति, धर्म, दर्शन पर चर्चा कीजिए।

14. 'ग्लोबल गाँव के देवता' उपन्यास की कथावस्तु पर विवेचन कीजिए।

15. 'ग्लोबल गाँव के देवता' उपन्यास की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।